आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–19 अगस्त 2024 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहले हवें कि सरकार क साफ मानल हौ कि संविधान की ओरि से दिहल गईल आरक्षण के सुविधा का फायदा आरक्षित वरग के लाभार्थियन के के मिले के चाहीं। कउनो भी अभ्यर्थी के साथे अन्याय नाही होखे के चाहीं। अपने सोसल मीडिया एकाउंट एक्स पर जारी एगो बयान में उहां के कहलीं कि ओनहत्तर हजार मास्टरन के भर्ती के मामिला में बेसिक सिक्षा विभागी के ओरि से न्यायालय के फैसिला के सज्जो तथ्यन के बारे में ओन्हे जानकारी दिहल गईल हौ। उहां के न्यायिक फैसिलन के हिसाबि से विभाग के करवाई करे क निरदेस दिहले हईं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय पछिला हफ्ता उत्तर प्रदेस सरकार के ओनहत्तर हजार सहायक सिक्षकन के भर्ती से जुड़ल नवका चयन सूची तीन महिन्ना के भीतर जारी कइले क निरदेस दिहले रहे। पीठ इहो कहले रहे कि आरक्षित वरग क जवन ओम्मेदवार सामान्य वरग में रक्खल जा सकें लें, ओन्हें रक्खे के चाहीं।

****

पदम पुरस्कार पावे वाले देस के सत्तर से बेसि डॉक्टर लोगि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चिट्ठी भेजी के कोलकता दुस्करम आ हत्या के मामिला में हस्तक्षेप क मांगि कइले हवें। ई डॉक्टर कहले हवें कि चिकित्सा क्षेत्र में काम कई रहल महिला लोगिन के सुरक्षा पर जुरते धियान दिहले क जरुरति हौ।

****

देसभर में आजु रक्षा बंधन क परब उछाह के साथे मनावल जा रहल हौ। येह मौका पर बहिन लोग भाइयन के कलाई पर रंग बिरंगा राखी बांध रहली हईंन औ ओनकरे समृद्धि, स्वास्थ्य अउरि कल्याण बदे कामना कई रहल हईन। आजु भाई अपने बहिन के रक्षा आ सहजोग क वचन देलें। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेस क राज्यपाल आनंदीबेन पटेल आ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रक्षाबंधन के मौका पर देसवसियन के सुभकामना दिहले हवें। प्रदेस सरकार काल्हि राति बारह बजे से आजु राति बारह बजे ले महिला लोगिन खातिर रोडवेज के बसन में मुफ्त जतरा क सुविधा दिहले हौ। रामनगरी अयोध्या में आजु रामलला के लेके चारो भाईयन के राखी बांधनल गइल। मोती आ जरी से तइयार ई राखी श्रंगी ऋषी आश्रम में रहे वाली महिला लोगि भेजले हईंन, जिन्हें रामलला के बड़वर बहिन सांता क प्रतिनिधि मानल जाला। मंदिर क मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास भगवान राम के लेके सज्जो भाईयन के कलाई पर राखी बन्हले के परम्परा के निभवलें। मथुरा जिला के वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी बदे देस विदेस से करीब दस हजार राखी चहुंपल हईं। राखी के साथे चिट्ठी भेजी के सरधालु बांके बिहारी जी से भाई के तौर पर पूरा उमिरि साथ निभवले क वचन मंगले हवें। प्रदेस क कई गो संगठन, जिला कारागार आ संस्थानन में रक्षाबंधन के मउका पर अलगि अलगि तरह के आयोजन कइल गई।

****

प्रदेस में इंसेफेलाइटिस के नाते होखे वाली मउति के दर में पछिला साति बरिस में बारह दसमलव छह चार फीसदी क कमी आईल हौ। येह बीमारी के वजह से पूर्वी उत्तर प्रदेस, बिहार औ नेपाल में बरसात के मौकम में सबसे अधिक लइकन के मउति होत रहे। बरिस दुई हजार सतरह में प्रदेस में इंसेफेलाइटिस से मउति क दर तेरह दसमलव आठ सात फीसदी रहे, जवन बरिसत दुई हजार तेईस में कम हो के एक दसमलव दुई तीन फीसदी रहि गईल हौ। चिकित्सा, स्वास्थ्य आ परिवार कल्याण विभाग क सचिव डॉ पिंकी जावेल बतउलिनी कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेस क जिम्मेदारी सम्हरले के सथहीं एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम एईएस अउरि जापानीज इंसेफेलाइटिस जेई पर अंकुस लगावे बदे एगो कार्ययोजना तइयार करे के कहले रहलें। येही कड़ी में तेरह अलगि अलगि विभागन के एक्के प्लेटफारम पर लाके बीमारी के नियंत्रण क कोसिस कइल गइल।

****

सावन माह के आखिरी सोम्मार पर आजु प्रदेस के अलगि अलगि सिवमंदिरन में सरधालु दरसन पूजन कइलें। वाराणसी के कासी विश्वनाथ मंदिर में ढेरे पुरान परम्परा के हिसाबि से आजुन ग्यारह विद्वान अर्चकन, ट्रस्टी लोगि आ अउरियो गणमान्य लोगिन के मौजूदगी में विधि विधान से श्री विस्वनाथ जी के पंच बदन मूरति के पंचगव्य क नहान करावल गइल। सथहीं बाबा के झूला श्रृंगार के परम्परा के भी निभावल जा रहल हौ। बाबा के तिरंगा राखियो बान्हल गईल। रामनगरी अयोध्यो में सावन के आखिरी सोम्मार के शिव भक्त सरयू नदी में नहा के सिद्धपीठ नागेश्वर नाथ क दरसन पूजन कईलें। हनुमानगढ़ी आ रामलला मंदिरो में दरसन खातिर सरधालुअन क भीड़ लगल रहे।

****

वाराणसी जिला में गंगा नदी के जल स्तर में एक सेंटीमीटर हर घंटा के हिसाबि से बढ़ोत्तरी हो रहलि हौ। एकरे चलते कई गो पक्का घाट जलमगन हौ। मणिकर्णिका आ हरिश्चंद्र घाटन पर अंतिम संस्कार छत अउरि सीढ़िन पर कइल जा रहल हौ। ओहर, बलरामपुर जिला में सीमावर्ती भारत नेपाल के पहाड़ियन पर भइल बरखा के नाते कई ठो पहाड़ी नाला उफान पर बाटें। राप्ती नदी क जलस्तर चेतावनी बिंदु से ऊप्पर चलि गइल हौ, हांलाकि ई खतरा के निसान से अब्बो आठ सेंटीमीटर नीचे बाटे। हालाति के देखत खास सतर्कता बरतल जा रहल हौ।

****